नईदुनिया

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सवः भक्त हनुमान संग श्रीराम-सीता, लक्ष्मण ने किया भ्रमण

भोपाल (हिनप्र)।

सैनिक कॉलोनी स्थित नुक्कड़ वाली माता मंदिर में श्री हनुमान महाराज और श्रीराम दरबार मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के लिए महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को कार्यक्रम के ब्रह्म हरिशंकर तिवारी, उज्जैन महाकाल से आचार्य चेतन्य स्वरूप महाराज, पंडित मिथुन शर्मा, पंडित जीवन प्रसाद तिवारी, पंडित दीपक मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ विधि विधान से पूजन करवाई। इस दिन आवाहित देवता पूजन, प्रधानदेवता, शांति होम, वस्त्राधिवास, मूर्तिमहास्नापन सहस्त्रकलशों द्वारा अभिषेक किया गया। इसके बाद शोभा यात्रा निकाली गई। श्रीराम, सीता, लक्ष्मण जी और श्री हनुमान महाराज जी को नगर भ्रमण कराया गया। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं सिर पर कलश रखकर शामिल हुई।

शोभा यात्रा नुक्कड़ वाली माता मंदिर से प्रारंभ हुई और शहर के प्रमुख मार्ग से होते हुए काली मंदिर से वापस नुक्कड़ वाली माता मंदिर पहुंची जहां पर स्वागत किया गया। अखाड़ा, इन्दौर के नवरंग ताशे, बैंड बाजे, डीजे और हनुमान महाराज की विशाल प्रतिमा आर्कषण का केन्द्र रही।

शोभा यात्रा में अलग-अलग जगहों से संत महात्मा और कथा वाचक शामिल हुए। अयोध्या से वत्स महाराज, वृंदावन धाम राधा माधव सेवा संस्थान के प्रमुख चतुरनारायण शास्त्री वान प्रस्थ धाम, उज्जैन महाकाल से आचार्य चैतन्य स्वरूप महाराज, गुफा मंदिर भोपाल से आचार्य श्याम महाराज, आचार्य लेखराज शर्मा, आचार्य डॉ. रामकुमार देवलिया, आचार्य डॉ. रमेश त्रिपाठी, कथा वाचक निधि किशोरी, भोले के दरबार से मुकेश महाराज, हीरो हिन्दू आदि शामिल हुए। इसके अलावा कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के नेता विशाल पुरोहित, पूर्व जिला पंचायत सदस्य व कांग्रेस कमेटी के प्रदेश के सचिव विष्णु विश्वकर्मा, राजेश हिंगोरानी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

भोपाल तमिल संगम ने हर्षोल्लास के साथ पोंगल मनाया

भोपाल (काप्र)। बहुप्रतीक्षित पोंगल महोत्सव, भोपाल तमिल संगम द्वारा कैरियर कॉलेज ऑडिटोरियम, भेल, में आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में 1,200 से अधिक लोग उपस्थित थे, जिनमें तमिल समुदाय के सदस्य, सरकारी अधिकारी, कला प्रेमी और भोपाल की व्यापक जनसंख्या शामिल थी। पोंगल, एक ऐसा त्योहार है, जिसे तमिल समुदाय विश्वभर में अपनी समृद्ध फसल के लिए आभार व्यक्त करने और समृद्धि, एकता और सांस्कृतिक गर्व का उत्सव मनाने के रूप में मनाता है। इस आयोजन में मध्य प्रदेश के विश्वास सारंग, मध्य प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, साथ ही कई प्रतिष्ठित अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान, भोपाल तमिल संगम के अध्यक्ष पी. राजू ने इस महोत्सव की सफलता में योगदान देने वाले सभी लोगों को दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह एकता का उत्सव है हम अपने सभी प्रतिष्ठित मेहमानों, प्रायोजकों और प्रतिभागियों के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने इस आयोजन को संभव बनाया। इस वर्ष का पोंगल उत्सव हमारी समुदाय की ताकत, तमिल संस्कृति की निरंतरता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की शक्ति का प्रतीक है। यह देखना दिल को छूने वाला है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों और संस्कृतियों के लोग एक साथ आकर तमिल परंपराओं का उत्सव मना रहे हैं।

संस्कारों से जुड़े रहने का पाठ पढ़ाया सिद्धभाऊ ने

भोपाल (हिनप्र)।

शहीद हेमू कालानी एज्युकेशन सोसायटी द्वारा संचालित केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल में आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया, जिसमें माध्यमिक पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

विद्यार्थियों को टाइटल्स एवं समूह फोटोग्राफ दिए गए। समारोह में बच्चों का मार्गदर्शन करने सोसायटी के अध्यक्ष सिद्धभाऊ भी पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने संस्कारों से जुड़े रहने और जीवन में सदाचरण को बरतने का आव्हान किया। साथ ही भाऊ ने कहा कि माता-पिता एवं गुरुजनों का आदर-सम्मान करना, अच्छी संगति रखना, समय का सदुपयोग करना और अपने जीवन को जीवन पर्यंत सुखी, संपन्न व स्वस्थ बनाएं रखना हमारा नैतिक दायित्व है। संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी और अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने जीवन की हर परिस्थिति में उचित निर्णयों द्वारा अपने कार्यों को पूर्ण करने की समर्थता होनी चाहिए। विद्यालय प्राचार्या सुमन विश्वकर्मा ने भी अपने विचार रखे।

शैक्षिक सम्मेलन में शिक्षा के साथ संस्कार पर जोर

प्रांतीय सम विचारी विद्यालय शैक्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के दूसरे सत्र में शिक्षा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण बालक का पंचकोशीय विकास विषय पर चर्चा हुई।

अब नहीं बिकेगी एक्सपायर खाद्य सामग्री

भोपाल (काप्र)। खाने-पीने की चीजें बनाने वाली सभी लाइसेंस प्राप्त कंपनियों और इम्पोटर्स को साल की हर तिमाही में एक्सपायर या रिजेक्ट हो चुके फूड आइटस की तारीख जमा करानी होगी।

अब ऐसे एक्सपायर या रिजेक्टेड प्रोडक्ट्स की रियल-टाइम में मॉनिटरिंग होगी और उन्हें नॉन-ह्यूमन यूज के लिए सेफ तरीके से डिस्पोज या ऑक्शन किया जाएगा। यह फैसला भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने लिया है। इसको लेकर एफएसएसएआई बाकायदा आदेश जारी किया है। एफएसएसएआई का यह कदम उपभोक्ताओं को सुरक्षित और गुणवत्ता वाले फूड प्रोडक्ट्स मुहैया कराने और खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से उठाया गया है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इस कदम का मकसद एक्सपायर और रिजेक्टेड फूड प्रोडक्ट्स को री-ब्रांड कर इंसानों के लिए री-सेल करने से रोकना है। एफएसएसएआई के ऐसा करने के पीछे का मकसद एक्सपायर हो चुके फूड आइटम्स को दोबारा बेचने से रोकना है। जारी किए गए आदेश में कहा गया कि अब खाने-पीने की चीजों से संबंधित रिपोर्ट हर तिमाही में एफएसएसएआई के ऑनलाइन अनुपालन पोर्टल फॉसकॉस पर अनिवार्य रूप से जमा करना होगी। यह नियम फूड आइटम्स को री-पैकेट या री-लेबल किए जाने पर भी लागू होगा। एफएसएसएआई का यह नया कानून लागू हो चुका है, इसलिए निर्माणकर्ताओं को जल्दी से जल्दी डेटा जुटाना होगा, ताकि वे जल्दी अपनी रिपोर्ट जमा करा सकें और इसकी समीक्षा हो सके। एफएसएसएआई ने खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों से तीन मुख्य बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी मांगी है।

अवैध कॉलोनी पर एफआईआर के बाद अब नामांतरण-रजिस्ट्री पर रोक

भोपाल (काप्र)। राजधानी से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में बिना किसी सरकारी अनुमति के बनाई जा रही 24 अवैध कॉलोनियों में प्लाट लेने वालों की न तो रजिस्ट्री हो सकेगी और न ही नामांतरण। प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी है। इसके पहले कृषि भूमियों पर बिना किसी अनुमति के प्लाट काट रहे भूमाफियाओं के खिलाफ कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

यह एफआईआर मप्र ग्राम पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम के उल्लंघन पाए जाने पर दर्ज कराई गई है। दरअसल, डायवर्सन, कॉलोनाइजर लाइसेंस, टीएंडसीपी परमिशन को लेकर कलेक्टर ने नोटिस दिए थे। नोटिस की समय-सीमा निकलने के बाद भी कॉलोनाईजर्स दस्तावेज पेश नहीं कर सकेथे। जिसके बाद इनके खिलाफ संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश एसडीएम को दिए गए थे। प्रशासन के सर्वे में सामने आया था कि इन अवैध कॉलोनियों में सडक़-बिजली, सीवेज जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गई हैं। ऐसे में यहां पर खाली प्लाटों को नीलाम करके विकास कार्य कराए जाएंगे। साथ ही नामांतरण और रजिस्ट्री पर रोक लगाने से प्लाटों की खरीदी-बिक्री पर भी रोक लगेगी। भू-माफिया रोक के बाद जमीन नहीं बेच सकेगा। बताया जा रहा है कि पंचायतों में बिना किसी अनुमति के अवैध कॉलोनियों का निर्माण करने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी। 56 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराने के बाद करीब 40 लोगों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने की तैयारी है। सूत्रों की माने तो इनके मामले कलेक्टर के पास हैं।

पेज एक से जारी खबरों के शेष...

भारत की एकता, सम्मान, ...

कुछ ही खेलों का आगे बढ़ना हितकारी नहीं है। सभी खेलों को आगे बढ़ना चाहिए। प्रसंगवश उल्लेख करना चाहूंगा कि आज खो-खो का पहला विश्व कप दिल्ली में सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक प्रतियोगिताओं की मैडल टैली में अब भारत ऊपर आता दिख रहा है, यह हम सबको प्रसन्नता देता है। क्रीड़ा भारती के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में संस्कार और संस्कृति रहे। देश का सम्मान और गौरव बढ़ाने का भाव खिलाड़ियों के मन में आये। इस तरह के उद्देश्य से क्रीड़ा भारती काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी प्रकार के सद्गुणों का केंद्र परिवार होता है। क्रीड़ा भारती का एक उद्देश्य यह भी है कि हमारे यहां परिवारों में इस प्रकार का वातावरण बने, जिसमें युवाओं का संस्कार हो। आज के समय में ध्यान आ रहा है कि युवाओं के जीवन में गलत आदतें आ रही हैं। मोबाइल फ़ोन ने उनकी चंचलता को बढ़ा दिया है। अगर परिवार का वातावरण सकारात्मक होगा तो देश को संस्कारित युवा मिलेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मानित माताओं को बधाई दी और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी की सफलता में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने श्रीकृष्ण के जन्म का उदाहरण देकर बताया कि देश और धर्म के लिए माता देवकी ने 7 पुत्रों की हत्या के बाद ही हिम्मत रखी और आठवीं संतान के रूप में श्रीकृष्ण को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार खेलों और खिलाड़ियों के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इस प्रसंग पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख भाई मांडविया ने कहा कि क्रीड़ा भारती का यह कार्यक्रम प्रेरक है जो खिलाड़ियों की माताओं के योगदान के महत्व को स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि खेल सार्वजनिक जीवन का हिस्सा है। खेल संस्कार निर्माण का आधार भी है। खेल हमारे व्यक्तित्व का निर्माण भी करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ी जब पदक जीतकर तिरंगा लहराते हैं तो जो गौरव उनके माता-पिता को होता है, उससे अधिक गौरव की अनुभूति देश को होती है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की पहली पाठशाला माता ही होती है। माँ चाहती है कि उसका बच्चा परिवार, समाज और देश का नाम ऊंचा करे। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति के लिए हमें युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से सुदृढ़ करना होगा। खेल इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नीरज चोपड़ा, ओलंपिक गोल्ड और सिल्वर मेडलिस्ट, जैवलिन थ्रो की मां सरोज देवी (यह पुरस्कार नीरज चौपड़ा के काका भीम सिंह ने प्राप्त किया) दीपा करमाकर, भारत की पहली महिला जिम्नास्ट, ओलंपिक्स की मां गौरी कर्माकर, लवलीना बोरगोहेन, ओलंपिक बॉक्सिंग खिलाड़ी की मां मोनी देवी, पीआर श्रीजेश, भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर की मां उषा कुमारी, विवेक सागर, भारतीय हॉकी टीम खिलाड़ी की मां कमला देवी, अवनि लेखरा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता, 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग की मां श्वेता लेखरा को सम्मानित किया गया। इसके अलावा क्रीड़ा भारती की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित क्रीड़ा ज्ञान प्रतियोगिता-2024 में विजेता विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। इनमें 1 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार पार्थ प्रजापत और 50-50 हजार रुपये के द्वितीय पुरस्कार देव करेलिया एवं अभिषेक कुमार को दिए गए। इस प्रतियोगिता में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। इस अवसर पर क्रीड़ा भारती के ध्येय गीत खेल खिलाड़ी खेल का लोकार्पण भी केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया किया गया।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में ....

में जुटे। अग्निशमन और पुलिस की टीम ने आग पर तत्परता से काबू पा लिया. अब स्थिति सामान्य है और कोई जनहानि की सूचना नहीं है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत कार्यों में जुटी हुई हैं। आग लगने के बाद मेला अधिकारी विजय किरन और अन्य आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि आग बुझाने के साथ-साथ किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दिया जाए। डीआईजी वैभव कृष्ण ने कहा कि आग पर काबू पा लिया गया है, कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रयागराज में ही मौजूद सीएम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आग की घटना का संज्ञान लिया. उन्होंने अधिकारियों को घटनास्थल पर जाने और राहत कार्यों में तेजी लाने का आदेश दिया। इसके अलावा, सीएम योगी ने खुद मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस घटना पर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ-2025 के सेक्टर 19 (तुलसी मार्ग) पर हुए अग्निकांड के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का दल घटनास्थल पर मौजूद है और वहां आने वाले साधु-संतों एवं श्रद्धालुओं की हर संभव मदद की जा रही है. सरकार की ओर से पूरे प्रकरण पर गंभीर नजर भी रखी जा रही है। स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

मेले के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग ने करीब 18 शिविरों को अपनी चपेट में ले लिया है. उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां भेजी गई हैं. महाकुंभ मेला क्षेत्र में रविवार दोपहर बाद भीषण आग लगने की घटना सामने आई। आग महाकुंभ मेला के सेक्टर 19 में लगी। इससे मेला क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटों और धुएं के गुबार को दूर से भी देखा जा सकता था, आग लगने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है. घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में जुट गईं। आग के चपेट में कई टेंट आ गए हैं. आग लगने की वजह से क्षेत्र में घना धुआं फैल गया, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दमकलकर्मी आग को नियंत्रित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं. खबर लिखे जाने तक आग की वजह से किसी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

सैफ का बांग्लादेशी .....

यह जांच करनी होगी कि आरोपी अभिनेता के घर में कैसे घुसा और हमले के पीछे उसका क्या मकसद था। वह बांग्लादेशी नागरिक है और यह पता लगाना महत्वपूर्ण है कि वह देश में कैसे घुसा। हमें 14 दिन की हिरासत की जरूरत है। बचाव पक्ष के वकील ने 14 दिन की हिरासत का विरोध किया। उन्होंने कहा, मामले को अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है, क्योंकि इसमें सैफ अली खान शामिल है। अन्यथा, इसे सामान्य मामले की तरह ही माना जाता। रिमांड आवेदन में हिरासत के कारणों को स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। आरोपी एक युवा लड़का है, जिसका कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसे बलि का बकरा बनाया जा रहा है। बचाव पक्ष के अनुसार, आरोपी को मामले के विवरण की जानकारी नहीं है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने कहा मुंबई जांच अपने शुरुआती चरण में है और आरोपी को आज ही गिरफ्तार किया गया है। इसलिए, जांच की पर्याप्त अवधि के लिए रिमांड मांगने का आधार उचित है। बचाव पक्ष के वकील द्वारा गिरफ्तारी में अवैधता का उठाया गया आधार बिना किसी ठोस तर्क के प्रतीत होता है।

38 शिकायतों का किया निराकरण

भोपाल (काप्र)। भोपाल की जोन 2 की पुलिस ने शनिवार को सीएम हेल्पलाइन जनकल्याण शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में दो घरों के बीच दीवार उठाने के मामले सहित कुल 38 शिकायतों का निराकरण किया गया। सीएम हेल्पलाइन में मकान मालिक और महिला किराएदार का विवाद भी पहुंचा। शिकायतकर्ता महिला किराएदार ने मकान मालिक पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

महिला किराएदार चाहती है पुलिस मकान मालिक से कहे कि वह उसे परेशान न करे। न ही मकान खाली करने के लिए नोटिस दे। मकान मालिक ने कुछ ही समय पहले महिला किराएदार को घर खाली करने का नोटिस दिया था।

चेक बाउंस के मामले में आरोपी ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत कर पुलिस पर परेशान करने का आरोप लगाया है। संबंधित का कहना है पुलिस जब देखो उसे गिरफ्तार करने आ जाती है। उधर पुलिस का कहना है व्यक्ति के खिलाफ 10 चेक बाउंस के मामले हैं। कोर्ट से वारंट जारी होने पर उसकी तलाश में टीम पहुंचती है। शिकायतकर्ता का कहना है पुलिस को उस पर कार्रवाई करनी चाहिए, जिसने चेक बाउंस की शिकायत की है।

दूसरी शादी करने वाली महिला पति से परेशान है। महिला की पहली शादी के बाद हुए बच्चे को दूसरे पति ने अपनाने से इंकार कर दिया है। महिला ने पहले पति को छोडक़र दूसरी शादी की थी। पुलिस उसकी दूसरी शादी को सही मान रही है, लेकिन दूसरे पति के खिलाफ मामला दर्ज नहीं कर रही है। डीसीपी जोन-2 संजय अग्रवाल ने बताया कि शिविर में कुल 38 शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। इस तरह के शिविर का आयोजन समय-समय पर किया जाता रहेगा।

निरोगी काया के मंत्र जाने शिविरार्थियों ने

भोपाल (हिनप्र)। आरोग्य केन्द्र में रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर में अनुभव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें जहां प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों ने आजीवन निरोगी रहने के सूत्र दिए, वहीं शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस सत्र में डॉ. रमेश टेवानी जी ने बताया कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ हैं, इस जीवन का अंतिम लक्ष्य यह हैं कि हम प्रभु के चरणों मे समा जाए, ये लक्ष्य पूरा तब होता हैं जब हम तन व मन से स्वस्थ हो, तन से स्वस्थ होने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, मन से स्वस्थ होने के लिए ध्यान, प्रणायाम और योग व जीवन को सार्थक करने के लिए समाज सेवा। इस शिविर का उददेश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई व नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, उपवास रसाहार व फलाहार के माध्यम से करते हैं। साधक-साधिकाओं ने शिविर को लेकर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में डॉ कुनाल ज्ञानचंदानी ने आभार व्यक्त किया। आगामी कैम्प 01 से 10 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा।

रंग ए बैंड समूह के फनकारों की यादगार मधुर प्रस्तुति के साथ हुआ परी बाजार का समापन

भोपाल (काप्र)।

गौहर महल में आयोजित परी बाजार का समापन रविवार को हुआ। चार दिन तक चले इस महोत्सव के अंतिम दिन भोपाल के रंग बैंड के कलाकारों द्वारा सूफ़ी गीतों की यादगार प्रस्तुति दी गई। इससे पहले दिन में अलग अलग सत्रों में विषय विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। महोत्सव का आयोजन बेगम्स ऑफ भोपाल की ओर से किया गया।

परी बाजार के अंतर्गत शाम ए अदब हुआ। जिसमें अस्मा रिजवान ने मुस्लिम महिलाओं पर लिखी किताब पर कहा कि लोगों को लगता था कि मुस्लिम महिलाएं सिर्फ घर में रहती है, लेकिन जब मुस्लिम 100 वूमन का चयन करने की बात आई तो सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश की महिलाएं नजर आ रही थी, लेकिन जैसे ही मध्य प्रदेश में हम आए तो देखने को मिला की भोपाल मात्र में ही तीन मुस्लिम महिलाएं ऐसी है जो पद्मश्री सम्मानित है। हमारे प्रोजेक्ट के मुताबिक हमने मुस्लिम महिलाओं को 15 श्रेणी में चयनित किया था। जिसमें विज्ञान, राजनीति, शिक्षा, मीडिया, खेल, पुलिस, डॉक्टर आदि शामिल थे। सिकंदर मलिक ने भोपाल की बेगमों के बारे में लोगों को जानकारी दी, उन्होंने बताया कि मुस्लिम महिलाओं को घर बाहर निकालने के पीछे सबसे बड़ा हाथ बेगमों का है, उनके करीब 150 सालों का राज ही ऐसा था जिसमें मुस्लिम लड़कों के अलावा लड़कियों को भी शिक्षा से जोड़ा गया। उन्होंने बताया कि जब 1930 में दिल्ली के अंदर राजा और नवाब लोग महल बनाने की बात कर रहे थे तब भोपाल की बेगम का कहना था कि आप महल नहीं स्कूल बनाएं।

कई भाषाओं में अनुवाद करने वाली मृणालिनी पांडे ने बताया कि किसी भी भाषा से जब हम अनुवाद करते हैं, तो शब्द का चयन करना बहुत मुश्किल काम होता है, क्योंकि हमें ऐसे शब्द और वाक्य का चयन करना होता है जो शब्द और विचार दोनों का मेल खाता हो। भोपाल इतिहास पर किताब लिखने वाले शानाबाज खान कहते हैं कि मैंने 1722 से 1949 तक का जिक्र किताब में किया। भोपाल की स्थापना 1722 से हुई थी। भोपाल के लोगों को सच्चा इतिहास मालूम नहीं है, जो किताबें अभी तक छपी है वो स्टोरी है, उसमें भोपाल का इतिहास नहीं है। दो तरह की किताबें होती है एक जिसमें स्टोरी होती है दूसरी जिसमें इतिहास होता है। इंफ्लूएंसर शो में आमिर ने भोपाल के पर्यटन स्थानों का जिक्र किया, उन्होंने तालाब के बारे में बताया, साथ ही भोपाल के कई इवेंट का जिक्र किया और किस इवेंट में कितना डिस्काउंट मिलता है इसके बारे में बताया। आगे साइम खान ने भोपाली जायका के स्वाद को इस तरह से बयां कि वैसे ही लोगों के मुंह में पानी आ गया। उन्होंने भोपाली बिरयानी का खास जिक्र किया। वहीं मरियम जिया ने भोपाल के कैफों के बारे में बताया उन्होंने कहा कि भोपाली कैफों में सबसे खास बात ये है कि यहां सिर्फ कपल ही नहीं बल्कि परिवार के साथ जा सकते हैं।